

कैंसर की दवाएँ टसिलेलज़िमैब और ज़ानुब्रुटनिबि

[स्रोत: द हट्टि](#)

भारत को टसिलेलज़िमैब (Tislelizumab) और ज़ानुब्रुटनिबि (Zanubrutinib) नाम की दो नई कैंसर दवाएँ प्राप्त होने वाली हैं।

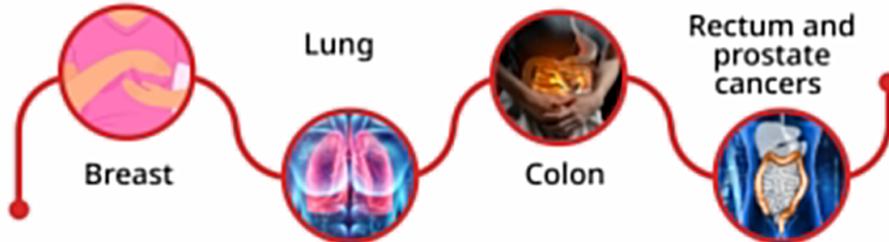
- टसिलेलज़िमैब, एक नई इम्यूनोथेरेपी दवा, उन्नत **एसोफेजियल स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा** (कैंसर जो अन्नप्रणाली के अंदर की पतली, सपाट कोशिकाओं में बनता है) के इलाज में प्रभावशीलता दिखा रही है।
- ज़ानुब्रुटनिबि नामक दवा **ब्रूटन टायरोसिनि कीनेज़ (Bruton's Tyrosine Kinase- BTK)** नामक प्रोटीन को नियंत्रित करती है, जो कुछ कैंसरग्रस्त रक्त कोशिकाओं के विकास और अस्तित्व के लिये आवश्यक है।
 - इसे वशिष्ट प्रकार के **रक्त कैंसर** के उपचार के लिये अनुमोदित किया गया है।
- यह **कैंसर** रोगों के एक समूह को संदर्भित करता है जो **शरीर में असामान्य कोशिकाओं के अनियंत्रित प्रसार** से होता है, जो **स्वस्थ ऊतकों और अंगों में नुकसान पहुँचा** सकते हैं।
- वर्ष 2019 में भारत में **1.2 मिलियन कैंसर के नए मामले** और लगभग 930,000 मौतें हुईं, जिससे यह **उस वर्ष एशिया में इस बीमारी में दूसरा सबसे बड़ा योगदानकर्ता** बन गया।
 - **भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद** के अनुसार, देश में कैंसर के मामले वर्ष 2022 में 14.6 लाख से बढ़कर 2025 में 15.7 लाख होने का अनुमान है।



WORLD CANCER DAY 4th February

Cancer is a leading cause of death worldwide, accounting for nearly 10 million deaths in 2020, or nearly 1 in 6 deaths.

Most Common Cancers



Around 1/3rd of deaths from cancer are due to-



- Cancer-causing infections, such as human papillomavirus (HPV) and hepatitis, are responsible for approximately 30% of cancer cases in low-and lower-middle-income countries.
- Many cancers can be cured if detected early and treated effectively.

और पढ़ें: [कैंसर का वैश्विक प्रभाव: WHO |](#)